महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- ३१ जुलाई २०२१ से सितम्बर २०२१

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

- वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन।
- इम्यूनिटी बूस्टिंग पुस्तिका का विमोचन।
- भीमबैटिका एवं रातापानी अभ्यारण का शैक्षणिक भ्रमण।
- विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन।
- म.प्र. भोज मुक्त विवि के अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ।
- नई शिक्षा नीति 2020 संबंधी कार्यशाला।
- राष्ट्रीय सेवा योजना का दिवस का आयोजन।
- औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कोरोना वैक्सीनेशन का किया आयोजन, छात्राएं, स्टॉफ सहित अन्य ने लगवाया टीका

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार
मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के ईक्कतीसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह जुलाई से सितम्बर 2021 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नींव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी

प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

भीमबेटका एवं रातापानी अभ्यारण का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 02.07.21 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा 23 छात्राओं को भीमबेटका एवं रातापानी अभ्यारण का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि वनस्पति विज्ञान की छात्राओं के लिए जैव विविधता एवं विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों की जानकारी होना आवश्यक है, इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण के द्वारा छात्राओं को विभिन्न वनस्पतियों, भौगोलिक स्थिति एवं जैव विविधता के बारे में ज्ञान प्राप्त होता हैं। वर्तमान समय में जैसे–जैसे हम विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं हमारी जैव विविधता को भी बहुत ज्यादा मात्रा में नुकसान हो रहा है, इसका मुख्य कारण जागरूकता की कमी है। छात्राओं को इन भ्रमण के द्वारा हम यह बता सकते हैं कि यह जैव विविधता हमारे लिए कितनी महत्वपूर्ण है और इसका संरक्षण करना हमारा परम दायित्व है।

भ्रमण के दौरान छात्राओं में बहुत अधिक उत्साह दिखाई दिया एवं उन्होंने विभाग को धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस तरह के भ्रमण का आयोजन किया। छात्राओं ने भीमबेटका रॉक शेल्टर्स देखें एवं वहां पर प्राचीन शैलचित्रों का अवलोकन किया, साथ ही उसके आस पास पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों का अध्ययन किया। भीमबेटका एवं रातापानी अभ्यारण विन्धयाचल पर्वत माला का एक हिस्सा है जिसमे प्रमुखतः सागौन, शीशम, पापड़ा, तेंदू, घिरिया, बहेड़ा, शिरीष आदि के वृक्ष पाए जाते हैं। औषधिय पौधों में मुख्यतः मरोरफली, दूधी, रोरी, दहिमन, मोरशिखा, आम्बा हल्दी, कहु, नीम, बड़, पीपल आदि पाए जाते हैं।यहाँ पर कई प्रकार की फर्न, ब्रायोफायट्स, मशरूम आदि भी भ्रमण के दौरान दिखाई दिए। मरोरफली का उपयोग पेटदर्द में, दूधी का उपयोग रक्तविकार, आम्बा हल्दी का उपयोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों में किया जाता हैं।

प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा

23 छात्राओं ने किया भीमबेटका एवं रातापानी अभ्यारण शैक्षणिक भ्रमण

इस भ्रमण के लिए श्री प्रदीप त्रिपाठी अधीक्षक रातापानी अभ्यारण को आभार पत्र प्रदान किया गया एवं उनसे अपेक्षा की गई कि वह भविष्य में भी इस तरह भ्रमण में सहयोग प्रदान करेंगे।

योग केंद्र केवल्य धाम एवं आर्य समाज महावीर नगर एवं सेम ग्लोबल विश्वविद्यालय भोपाल में शैक्षणिक भ्रमण शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में पी.जी. डिप्लोमा इन यौगिक साइंस की 25 छात्राएं एवं विभाग अध्यक्ष डॉ ज्योति जुनगरे एवं योगाचार्य रघुवीर सिंह राजपूत एवं योग शिक्षिका श्रीमती किरण विश्वकर्मा ने भोपाल में स्थित योग केंद्र केवल्य धाम एवं आर्य समाज महावीर नगर एवं सेम ग्लोबल

जाया

पीजी

हो रहा

पीड़ित

उन्होने

से

विश्वविद्यालय भोपाल में शैक्षणिक भ्रमण के लिए ले गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा की होशंगाबाद जिले का एक मात्र कॉलेज है, जिसमें डिप्लोमा इन योगिक साइंस का पाठ्यक्रम संचालित है। कोरोना काल में योग की छात्राओं ने कोरोना से मरीजों को ऑनलाइन योग का अभ्यास कराया। कहा कि छात्राओं को शारीरिक और मानसिक रूप स्वस्थ रहने एवं विभिन्न क्षेत्रों में योग चिकित्सा ध्यान प्राणायाम योग से संबंधित साहित्य एवं योग के विभिन्न आयामों को जानने के लिए शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को लिए उपयोगी होते हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र पर जाकर अवलोकन के साथ कुछ नया सीखने को मिलता है।विभागाध्यक्ष डॉ ज्योति जुनगरे ने छात्राओं को योग से कैरियर योग से शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय लाभ आदि के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए भ्रमण कराया। सर्वप्रथम केवल्य धाम में डॉ संदीप दीक्षित द्वारा छात्राओं को केवल्य धाम के इतिहास की जानकारी देते हुए योग प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया पश्चात दूसरा भ्रमण स्थल आर्य समाज महावीर नगर में छात्रों को योग साहित्य से जुड़े ग्रंथालय का अवलोकन कराया गया। वहां आर्य समाज की मंत्री अर्चना सोनी ने यज्ञ के महत्व को बताते हुए कहा कि कोरोना काल में यज्ञ से पर्यावरण की शुद्धता रखने के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ और साथ ही अष्टांग योग का सविस्तार वर्णन किया। तीसरा भ्रमण स्थल सेम ग्लोबल विश्वविद्यालय भोपाल में छात्राओं ने योग से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रमों को जाना विश्वविद्यालय की डीन डॉ मनीषा बाजपेई ने योग विभाग के बारे में बताते हुए योग से कैरियर कैसे बनाया जा सकता है और योग के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव डाला भ्रमण में योग विभाग के योगाचार्य रघुवीर सिंह राजपूत श्रीमती किरण विश्वकर्मा एवं योग की छात्राएं मोनिका चौरे, साक्षी दीक्षित, सौम्या गुरु, सौम्या बडगुर्जर, कविता राजपूत, बंदना परते, भाग्यश्री राणा, प्रतिमा भैसारे, सहित अन्य छात्राएं उपस्थित थी।

वर्कप्लेस कोरोना वैक्सीनेशन जिले में कोरोना वैक्सीन महाअभियान के अंतर्गत दिनांक 26 जुलाई 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में वर्कप्लेस कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया जिसमें 450 कोवीशील्ड वैक्सीन का लक्ष्य रखा गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । वैक्सीनेशन के

दौरान महाविद्यालय के स्टाफ, छात्राएं एवं अन्य कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए । छात्राओं ने मांग की कि आगे भी इसी तरह के टीकाकरण कैंप महाविद्यालय में आयोजित किए जाएं। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि आज वर्कप्लेस पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ का 100 प्रतिशत प्रथम डोज वैक्सीनेशन पूर्ण हुआ।

वैक्सीनशन वनस्पति शास्त्र विभाग में आयोजित किया गया। जिसमे माननीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा जी एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी का विशिष्ट सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार महोदया सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़ एवं नोडल अधिकारी श्री योगेंद्र परसाई जी का सहयोग भी प्राप्त हुआ। उपरोक्त वैक्सीनेशन प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान एवं श्री देवेंद्र सैनी आदि उपस्थित थे।

वैक्सीनेशन टीम में श्री अमित डेहरिया, श्रीमती अनिता बुधौलिया, श्रीमती सुषमा तेकाम, श्री मथुरा प्रसाद, आंगनवाडी कार्यकर्ताएँ एवं सहायिकाएँ आदि उपस्थित रहे।

इस कार्य में महाविद्यालय की छात्राओं सुश्री वैष्णवी राजपूत, वर्षा मालवीय, निधि राजपूत, मधु शर्मा, रक्षा कलोषिया ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया।

शैक्षणिक भ्रमण शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं पीजी डिप्लोमा इन डायटटिक्स की 25 छात्राओं को भोपाल में स्थित आई.सी.ए.आर. इंस्टीट्यूट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सोयाबीन प्रोसेसिंग एंड यूटिलाइजेशन संस्थान भोपाल में शैक्षणिक भ्रमण मे ले जाया गया। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि होशंगाबाद जिले में सोयाबीन की पैदावार होती है सोयाबीन के पौष्टिक गुणों की अनभिज्ञता के कारण इसे आहार में शामिल नहीं किया जाता है। छात्राओं को सोयाबीन के पोषणीय मूल्य से परिचित कराने एवं सोयाबीन मूल्य संवर्धन द्वारा व्यंजनों को बनाना सिखाने हेतु इस भ्रमण का आयोजन किया गया। शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होते है जिससे उन्हे कार्यक्षेत्र पर जाकर अवलोकन के अवसर मिलते है। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने छात्राओं को सोयाबीन की सिद्धांत एवं प्रायोगिक विस्तृत जानकारी देने हेतु भ्रमण किया गया।

गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

आई.सी.ए.आर. के प्रधान वैज्ञानिक डॉ पुनीत चंद्रा ने अपने पीपीटी के माध्यम से सोया प्रोटीन, प्रोटीन अन्य पोषक तत्वों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने आदर्श वजन के अनुसार प्रोटीन की आवश्यकता होती है और जिस प्रकार दूध और अंडा एक उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन की श्रेणी में आता है उसी प्रकार सोयाबीन में एक उच्च गुणवत्ता प्रोटीन की श्रेणी में

आता है, जिसमें 40 प्रतिशत प्रोटीन उच्च गुणवत्ता युक्त वाला होता है। तथा इसमें स्टार्च नहीं होता इसलिए से हमें आहार में शामिल किया जाना चाहिए।

सोयाबीन से बने विभिन्न पदार्थ जैसे दूध, पनीर, दही, ओकारा, बेवाटर की विस्तृत जानकारी दी गई।

वैज्ञानिक डॉ समलेश ने अपने व्याख्यान सोयाबीन का स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर पीपीटी के माध्यम से सोयाबीन की स्वास्थ्य उपयोगिता की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ह्रदय रोग अर्थराइटिस, मधुमेह, ओस्टियोपोरोसिस, मासिक धर्म तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं में सोयाबीन के नियमित उपयोग से स्वास्थ्य लाभ देखे गये।

तकनीकी विशेषज्ञ डॉ ए.के. सैनी ने सोयाबीन से बनने वाले उत्पादकों की शुद्धता को जांचने के लिए प्रयोगशाला परीक्षण के माध्यम से छात्राओं को प्रशिक्षित किया।

महाविद्यालय द्वारा आई.सी.ए.आर. संस्थापक को आभार पत्र देखकर भविष्य में भी उनके सहयोग की अपेक्षा की गई तथा विभाग द्वारा छात्राओं को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण को बहुत लाभकारी बताते हुए आगे भविष्य में भी इस तरह के और भी शैक्षणिक भ्रमण कराने का अनुरोध किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस 2021 आज दिनांक 29 जुलाई 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद के बायोटेक्नोलॉजी एवं प्राणी शास्त्र विभाग के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस 2021 महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में मनाया गया।

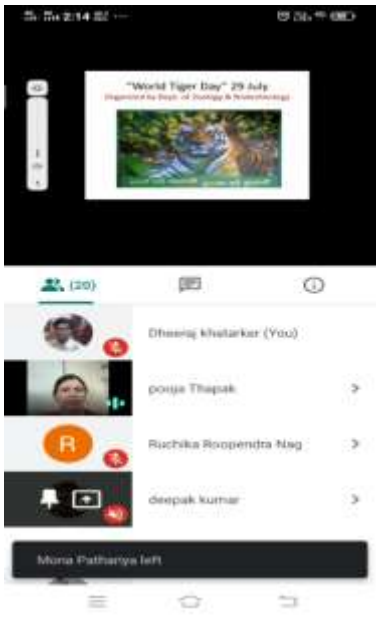

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि बाघों का संरक्षण अति आवश्यक है। भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार के संयुक्त प्रयासों से संचालित टाईगर प्रोजेक्ट के द्वारा हमे बाघों की संख्या को बढाने में कुछ हद तक सफलता प्राप्त हुई है। ऑनलाइन गूगल मीट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ दीपक अहिरवार द्वारा स्लाइड शो के माध्यम से बाघों की व्यथा एवं उनके संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ. पूजा थापक डॉ. श्रद्धा गुप्ता एवं कुमारी चारू तिवारी ने सक्रिय योगदान दिया। व्याख्यान के समापन में बायो टेक्नोलॉजी विभाग के व्याख्याता श्री धीरज खातरकर द्वारा कार्यक्रम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई एवं आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक गण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

कोरोना वैक्सीन महाअभियान जिले में कोरोना वैक्सीन महाअभियान के अंतर्गत शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में तीन दिवसीय टीकाकरण कार्यक्रम वर्कप्लेस कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया जिसमें 1237 कोवीशील्ड का प्रथम एवं द्वितीय डोज एवं कोवैक्सीन

द्वितीय डोज का लक्ष्य रखा गया। वैक्सीनेशन के दौरान महाविद्यालय के स्टॉफ, छात्राएं एवं अन्य लोग कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए। महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं छात्राओं का वेक्सीनेशन शत प्रतिशत रहा एवं अन्य लोगों की संख्या अधिक होने के बाद भी वैक्सीनेशन कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। अन्य लोगों ने मांग की कि आगे भी इसी तरह के टीकाकरण कैंप महाविद्यालय में आयोजित किए जाए। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि आज वर्कप्लेस पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं स्टाफ का कोवेक्सीन का द्वितीय डोज वैक्सीनेशन पूर्ण हुआ। इस टीकाकरण कार्यक्रम में दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता दी गई।

वैक्सीनशन वनस्पति शास्त्र विभाग में आयोजित किया गया। जिसमे माननीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा जी एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी का विशिष्ट सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़ एवं नोडल अधिकारी श्री योगेंद्र परसाई जी का सहयोग भी प्राप्त हुआ। उपरोक्त वैक्सीनेशन प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें टीकाकरण कार्यक्रम वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार एवं डॉ मनीष चंद्र चौधरी, सुश्री सौम्या चौहान, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. अखिलेश यादव, श्री आशीष सौहगौरा डॉ. नीतू पवांर एवं श्री देवेंद्र सैनी आदि उपस्थित थे।

वैक्सीनेशन टीम की प्रभारी श्रीमती कांति ठाकुर, आयुष मेडीकल अधिकारी डॉ. विनय यादव, श्रीमती अनिता बुधौलिया, श्रीमती सुषमा तेकाम, सोनम बाबरिया, पूर्वी दुबे, मनीषा पाल, विनीता सराठे, सीमा मालवीय, आंगनवाडी कार्यकर्ता स्वेता मुदगल, अंजुला चौरसिया एवं सहायिकाएँ आदि उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से ए. एस.आई. श्री सुखनंदन, श्री कैलाश, श्री प्रदीप चौरे एवं श्री सुनील जोशी ने सतत् सहयोग प्रदान किया।

इस कार्य में महाविद्यालय की एनसीसी की छात्राऐं सुश्री वैष्णवी राजपूत, वर्षा मालवीय, निधि राजपूत, मधु शर्मा, रक्षा कलोशिया, दीपिका राजपूत, दुर्गा जोशी ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ऑनलाईन गूगल मीट के माध्यम से मनाया जा रहा सप्ताह

गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

विश्व स्तनपान सप्ताह दिनांक 06.08.2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस ऑनलाईन गूगल मीट के माध्यम से यह सप्ताह मनाया जा रहा है। डॉ. जैन ने बताया कि प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के पहले सप्ताह में 01 अगस्त से 07 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करना है तथा कामकाजी महिलाओं को उनके स्तनपान संबंधी अधिकार के प्रति जागरूकता प्रदान करना है। माता का दूध बच्चे के लिए पूर्ण आहार होता है, 6 महीने तक बच्चों को सिर्फ माता का दूध ही पिलाना चाहिए, माता के दूध में पाये जाने वाला कोलेस्ट्रम से शिशु को प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त होती है जिससे शिशुओं की रोगों से सुरक्षा होती है एवं उनकी समुचित वृद्धि तथा विकास होता है।

विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रतिवर्ष सी.एन. डी. विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियॉ जैसे स्लोगन, पोस्टर, वाद–विवाद, प्रश्नमंच के माध्यम से स्तनपान के महत्व से छात्राओं एवं अन्य को जागरूक किया जाता है जिससे स्तनपान संबंधी भ्रांतियॉ दूर की जा सकती है। उन्होंने डॉ. श्री ललित डहरिया जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती अर्चना पचोरी महिला एवं बाल विकास होशंगाबाद को धन्यवाद प्रेषित किया जिनके सहयोग के कारण इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा सका।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना मालवीय ने बताया की विश्व स्तनपान सप्ताह 1992 से प्रारम्भ किया गया। वैश्विक स्तनपान संस्कृति को फिर से स्थापित करने में एवं वॉटल फिडिंग की जगह स्तनपान को प्रेरित करने के लिए इस सप्ताह का आयोजन किया गया इसमें मातओं के साथ–साथ बच्चों के लिए स्तनपान के महत्व पर जोर दिया गया। इसी लिए इस सप्ताह को यूनिसेफ, डब्लू.एच.ओ., एन.जी.ओ. सभी संगठनों सरकारी संस्थानों में एक साथ मनाया जाता है। प्रतिवर्ष स्तनपान सप्ताह की एक थीम पर कार्य किया जाता है इस वर्ष इसकी थीम प्रोटेक्ट, ब्रेस्टफीडिंग ए शेयरर्ड रिस्पासविलिटिस है।

FP-08-08-2021 Bhopal edition.pdf

www.freepressjournal.in FREE PRESS
SUNDAY | AUGUST 8, 2021 | BHOPAL

Virtual conference held on Int'l Breastfeeding Week

FP NEWS SERVICE
Hoshangabad

The Government Home Science PG College organised a virtual conference on Saturday on the occasion of International Breastfeeding Week, which is celebrated from August 1 to 7 every year.

Principal Kamini Jain said the objective of the occasion is to motivate women to breastfeed their newborns at least for first six months.

Many a working mother try and avoid breastfeed their children, especially when in public. The event is aimed at informing the women about their breastfeeding rights and making them understand how important is the breast milk for their children.

A mother's breast milk increases immunity in the children and it controls cholesterol, she said. The head of the clinical nutrition and dietics department, Roshni Shrivastava, said they organise events including poster-making, slogan writing, debate, quiz and other programmes to raise awareness about breastfeeding and to bust the myths about the same.

The event coordinator Reena Malviya told everyone about the history of Breastfeeding Week. She said the event is celebrated simultaneously by UNICEF, WHO and other NGOs.

The theme of the event this year was, 'Protect Breastfeeding a shared responsibility'. The assistant director of women and child development department, Nirupama Mathur said mother's milk is the first vaccine for a newborn child.

It is helpful in development of both child and the mother after delivery. She gave a presentation about the proper breastfeeding and its importance. She also told about the effect of covid-19 on breastfeeding.

Sandhya Moure, a scientist KVK Harda, told the new mothers about the diet she should take while carrying a baby and after delivery so that she can increase the production of milk in her glands.

She suggested diet like milk, cotton seeds (Ajwain), garlic, fenugreek (Methi) seeds, drumsticks, green vegetables, raisins, almonds and sprouts. She said a woman may consume less but all that she eats should be nutritious.

Rain throughout day but DAL MILLERS

कु. निरुपमा माथुर सहायक निर्देशिका महिला एवं बाल विकास विभाग ने अपने उद्‌बोधन में कहॉ की मॉ का दूध शिशु के लिए पहला टीकाकरण होता है जो शिशु की वृद्धि और विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है मॉ का शरीर शिशु के लिए इन्क्यूवेटर का काम करता है। कु. निरूपमा माथुर ने पी.पी.टी. से स्तनपान क्या है स्तनपान से शिशु और माता को लाभ कैसे करें करते समय ध्यान देने योग्य बातें स्तनपान कराने की उचित तरीका कोविड–19 के दौरान सुरक्षित तरीके से स्तनपान आदि अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां व्याख्यान के माध्यम से दी गई।

डॉ. संध्या मूरे, वैज्ञानिक के.वी.के. हरदा ने अपने उद्‌बोधन में धात्रीमाता को किस प्रकार का आहार लेना चाहिए इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे कौन से खाद्याय पदार्थो को आहार में शामिल करना चाहिए जिससे माता के दूध में वृद्धि हो। माताओं को अपने आहार में दूध, अजबाइन, लेसन, मेथी दाना, मुनंगे की पत्ती, हरी पत्ती दार सब्जिया, मुनक्का, किशमिश, बादाम, अंकुरित आहार को शामिल करके माताओं के दूध के स्त्रावन को बढाया जा सकता है। उन्होने कहॉ कि आहार ऐसा हो जिसकी मात्रा कम हो लेकिन वह सभी पोषक तत्वों से परिपूर्ण हो।

कु. आशी तिवारी छात्रा सी.एन.डी. ने पी.पी.टी. के माध्यम से धात्री अवस्था में संतुलित आहार एवं दी जाने वाली एक दिवस की आहार तालिका को समझाया एवं अपने परिवार के अनुभवों को साझा किया।

कु. कलश टेवारी छात्रा सी.एन.डी. ने अपने व्याख्यान में विश्व स्तनपान दिवस की विस्तृत जानकारी देते हुए इस वर्ष की थीम पर अपने विचार व्यक्त किये।

एन.एस.एस. द्वारा सद्भावना दिवस शपथ

शासकीय गृह विज्ञान अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में एन.एस.एस. योजना इकाई द्वारा संरक्षिका एवं मार्गदर्शक प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने महाविद्यालय स्टॉफ एवं छात्राओं को सद्भावना दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई गई। जिसमें हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद को बातचीत और संवैधानिक माध्यम से समस्याओं को सुलझाने की बात कही गई एवं छात्राओं को प्रेरित किया।

म.प्र. भोज अध्ययन केन्द्र बनाया म.प्र. भोज विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद को अध्ययन केन्द्र बनाया गया है, प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि सत्र 2021–22 से विद्यार्थी भोज वि.वि. के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर इस महाविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते है। कला, विज्ञान एवं वाणिज्य में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ एम.बी.ए. एम.एस.सी. रसायन एवं जंतु विज्ञान, तथा विभिन्न विषयों में एम.ए. एवं एम.काम. पत्राचार पाठ्यक्रम से कर सकते है। अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि सत्र 2021–22 की प्रवेश प्रक्रिया अभी चल रही है। ऐसे व्यक्ति जो कहीं कार्यरत है तथा पूर्णकालिक कोर्स नही कर सकते वे भोज वि.वि. से पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते है। पाठ्यक्रम हेतु कोई उम्र सीमा नही है।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 21.09.21 को सत्र 2021–22 में महाविद्यालय में प्रारंभ होने वाले सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों के समन्वयक, आईटी सेल प्रभारी डॉ अरुण सिकरवार ,महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन उपस्थित रहे। महाविद्यालय में सत्र 2021–22 में एनवायरमेंट स्टडीज ,न्यूट्रिशन एंड चाइल्ड केयर ,सेरीकल्चर सर्टिफिकेट कोर्स एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार, हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट गाइडेंस एंड काउंसलिंग में डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि यह डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स होशंगाबाद की छात्राओं के लिए महाविद्यालय की ओर से एक सौगात है । पत्रकारिता एवं जनसंचार, हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट जैसे डिप्लोमा कोर्स के लिए छात्राओं को अन्यत्र शहरों में जाकर अपना अध्यापन कार्य करना पड़ता था। गाइडेंस एंड काउंसलिंग डिप्लोमा के लिए भी विद्यार्थी शहर से बाहर जाकर अध्यापन कार्य पूर्ण करते थे। महाविद्यालय द्वारा अपनी छात्राओं के हित को सर्वोपरि रखते हुए इन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया जा रहा है। इन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता हायर

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में म.प्र. भोज मुक्तविश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ

सेकेंडरी उत्तीर्ण एवं यह एक अवसर है विद्यार्थियों को व्यावसायिक विषयों से जोड़ने का छात्राएं अपने पसंदीदा भविष्य चुनने का।

नई शिक्षा नीति 2020 संबंधी कार्यशाला शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 28.09.2021 को नई शिक्षा नीति 2020 संबंधी कार्यशाला में शासन के आदेशानुसार बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शैक्षिक जगत में रूचि एवं विशेषज्ञता रखने वाले प्रबुद्धजन, शिक्षाविद, उद्योगपति उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने विभिन्न सुझाव दिये, जिसमें श्री पीयूष शर्मा जी अध्यक्ष म.प्र. तैराकी संघ ने कहा कि महाविद्यालयों को विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षण संस्थान का डाटाबेस तैयार करना चाहिए और विद्यार्थियों की अभिरूचि के आधार पर संबंधित संस्थान के अधिकारियों से संपर्क कर उन्हे इटर्नशिप/ शिक्षुता के लिए भेजना चाहिए।

शिक्षाविद एवं समाज सेवी श्री अरूण शर्मा जी ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ सकल पंजीयन अनुपात बढाने पर ही नही होना चाहिए बल्कि गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर अधिक केन्द्रित होना चाहिए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि अभिभावकों के साथ प्रतिमाह बैठक करने एवं मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होने बताया कि इस महाविद्यालय में सिर्फ छात्राऍ ही इटर्नशिप/ शिक्षुता में भाग ले सकती है।

समाजसेवी गुंजन पाठक जी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आस पास जहॉ कौशल विकास केन्द्र हो वहॉ भी इटर्नशिप/ शिक्षुता के लिए विद्यार्थी जा सकतें है। श्रीमती श्वेता चौबे ने बताया कि विद्यार्थियों के विकास के लिए शिक्षकों के साथ पालकों को भी अपने व्यवहार में संतुलन लाना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरूण सिकरवार ने किया एवं नई शिक्षा नीति 2020 पर पावर पाइंट प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। बैठक में डॉ. बी.एल. राय, डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. नरवरे, श्रीमती नीता भट्टाचार्य, डॉ. संजय चौधरी, श्री विवेक कुमार वर्मा, श्रीमती बसु चौधरी, श्री रवीन्द्र भार्गव, श्री जयप्रकाश दायमा, डॉ. नीतू पवांर उपस्थित रहे।

होशंगाबाद जिले में कोरोना वैक्सीन अभियान के अंतर्गत सोमवार दिनांक 27 सितंबर 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ (श्रीमती) कामिनी जैन के मार्गदर्शन में कोरोना वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। वैक्सीनेशन के दौरान महाविद्यालय के स्टाफ, छात्राएं एवं अन्य शहरी व्यक्ति कोरोना वैक्सीनेशन में शामिल हुए। जिसमे विधायक महोदय माननीय डॉ. सीतासरन शर्मा जी एवं भाजपा नेता श्री पीयूष शर्मा जी,

अनुविभागीय अधिकारी सुश्री फरहीन खान, तहसीलदार सुश्री निधि चौकसे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड़, नोडल अधिकारी डॉ अतुल दुबे, सेक्टर प्रभारी श्री शीवेश मिहानी एवं वैक्सीनेशन टीम श्रीमती मीना पटेल, सुश्री रानी कुजूर, श्रीमती रानी राजपूत का विशेष सहयोग भी प्राप्त हुआ। प्राचार्य डॉ (श्रीमती) कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय के सम्पूर्ण स्टाफ का वैक्सीनेशन हो चुका है तथा जिन छात्राओं को सेकंड डोज लगना था उन्होंने आज वैक्सीन लगवाया। नव प्रवेशित छात्राओं ने भी आज प्रथम डोज लगवाया। वैक्सीनेशन के दौरान डॉ मनीष चंद्र चौधरी,श्री आशीष सोहगौरा, श्री शैलेन्द्र तिवारी, डॉ. अखिलेश यादव उपस्थित रहे।

साथ ही महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष 2021 के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 20 सितंबर से 4 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं आज सोमवार को महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक मुक्त संस्था परिसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत छात्राओं को प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर जूट की थैलियों के प्रयोग हेतु प्रेरित किया गया एवं जनजागरूकता रैली निकाली गई। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ हर्षा चचाने, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ आशीष सौहगोरा बडी संख्या में छात्राओं ने भागिता की।

पांच दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20 सितंबर 21 से पांच दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग ,मध्यप्रदेश शासन एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान में संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. उमेश

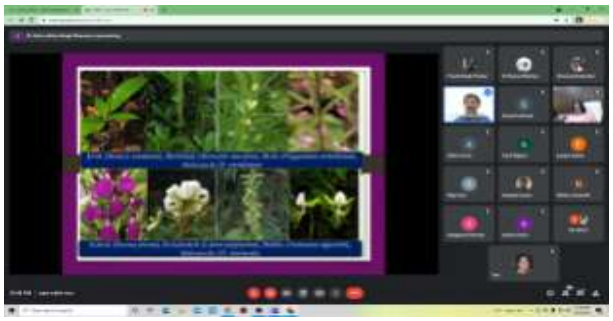

सिंह निदेशक स्वामी विवेकानंद कैरियर योजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल,विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल ,मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. आर. एस. एस. अहिरवार ,विषय विशेषज्ञ डॉ. आलोक मिश्रा जिला नोडल अधिकारी होशंगाबाद ,संयोजक डॉ संगीता अहिरवार एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान की।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे अपना उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि हम उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव जी के आभारी हैं जिन्होंने इस प्रकार के संभाग स्तरीय कार्यक्रम को आयोजित करने का मार्गदर्शन दिया। इस प्रशिक्षण से लाभान्वित होकर विद्यार्थी औषधि पौधों के क्षेत्र में स्वरोजगार तलाशने का प्रयास करेंगे ।कोरोना काल में हमारा औषधि ज्ञान अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। भारत में कुछ वर्षों में औषधि फसलों की तरफ किसानों का अत्यंत रुझान बढ़ा है , औषधि फसलों की खेती से किसानों को अपेक्षाकृत अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होता है । औषधि पौधे लगाने पर सरकार द्वारा 30 से 75: तक सब्सिडी प्रदान की जाती है ,एवं तकनीकी सहयोग और प्रशिक्षण भी दिया जाता है ।वर्तमान समय किसानों एवं युवाओं के लिए औषधि पौधों की खेती अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ होती है ,क्योंकि इन फसलों में कम खाद, पानी और कम देखभाल की आवश्यकता होती है ।इस प्रशिक्षण का विषय अत्यंत समयानुकूल है ,क्योंकि हर्बल उत्पादों की तरफ किसानों एवं युवाओं का रुझान बढ़ा है। महाविद्यालय में नर्सरी एवं सीड लाइब्रेरी उपलब्ध है।महाविद्यालय द्वारा इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया जाता है ।

पंच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं संयोजक डॉ संगीता अहिरवार ने विषय प्रवर्तन के साथ–साथ 5 दिवस के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत विगत कई वर्षों से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं विशेषज्ञों द्वारा औषधि पौधों का परिचय, उपयोग औषधि पौधों की उत्पादन तकनीक औषधि पौधों की देखभाल एवं रखरखाव ,नर्सरी का निर्माण एवं बीज बैंक का निर्माण शीर्षक पर विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ।

औषधि पौधों का परिचय, उपयोग विषय पर मुख्य वक्ता डॉ उमेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथ रामायण में भी औषधि संजीवनी वटी का वर्णन है। प्राचीन काल से ही हमारे

पास औषधि एवं आयुर्वेद ज्ञान का भंडार है। वर्तमान में हम अपने प्राचीन आयुर्वेदिक एवं औषधि ज्ञान की पुनरावृत्ति कर लाभान्वित हो रहे हैं।

विषय विशेषज्ञ डॉ. आर. एस .एस. सिकरवार ने अपने औषधि पौधों की जानकारी को साझा करते हुए कहा कि जंगल में निवास करने वाली जनजाति औषधि पौधों की बड़ी जानकार है। डॉ. सिकरवार ने अशोक, पीला पलाश, जटामांसी गिलोय, नागफली ,अश्वगंधा, सहजन नीम, अदरक ,पुदीना इत्यादि के औषधीय गुण पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। औषधि पौधों की उत्पादन तकनीक विषय पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस. के .तिवारी ने प्रकृति प्रदत्त 12 औषधि पौधे जो मानव स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी हैं । डॉ. तिवारी ने बताया कि एलोवेरा, गूगल, कालमेघ, स्टीविया, तुलसी ,सर्पगंधा, मेथा, पिपली, सतावर ,सफेद मूसली ,खस, काली हल्दी ,नींबू का उत्पादन तकनीक से किस प्रकार अधिकाधिक लाभ एवं रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।औषधि पौधों की देखभाल एवं रखरखाव विषय पर कृषि वैज्ञानिक डॉ संध्या मुरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि देसी गुलाब, गुड़हल ,तुलसी, बावची, अकर्करा, मरुआ, गिलोय सतावरी ,अरंडी , हरसिंगार, कलिहारी मडूकपणी, कड़ी पत्ता ,एलोवेरा आदि पौधों की देखभाल एवं रखरखाव किस प्रकार वर्तमान समय में रोजगार का एक सशक्त साधन हो सकता है।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

नर्सरी निर्माण विषय एवं बीज बैंक के निर्माण विषय पर अपना उद्बोधन देते हुए श्रीमती विनीता शर्मा ने नर्सरी निर्माण से पौधों के विकसित होने तक की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि नवजात पौधे की देखभाल ,कीड़ो से सुरक्षा, छिड़काव, रोपाई से लेकर विकसित नर्सरी तक की संपूर्ण प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत कराया। बीज बैंक का निर्माण प्रक्रिया को विस्तृत रूप से विद्यार्थियों को समझाया। औषधी विशेषज्ञ श्री जय प्रकाश दायमा ने भी अपने अनुभवों को इस प्रशिक्षण में साझा किया ।महाविद्यालय में औषधी उद्यान विगत कई वर्षों से अपने विभिन्न औषधीय पौधों की विभिन्नता के कारण विद्यार्थियों के जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। श्री दायमा द्वारा उद्यान की औषधी के उत्पादन के सहयोग से हर्बल शैंपू ,उबटन, हर्बल मेहंदी, चूर्ण, वैक्स सामग्री, हर्बल काढा जैसी औषधीय गुणवत्ता से परिपूर्ण सामग्री का निर्माण किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा भविष्य में इन उत्पादनो की इकाई को वृहद रूप में स्थापित कर छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़े जाने की योजना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए डॉ. श्रुति गोखले ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण के विषय महत्व एवं लाभ से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

शुभारंभ होम साइंस कॉलेज में 5 दिन चलेगा कार्यक्रम
औषधीय पौधों से रोजगार की संभावना

आभार डॉ कंचन ठाकुर ने किया। डॉ मनीष चन्द्र चौधरी ने महाविद्यालय में संचालित औषधी उद्यान एवं वनस्पति विभाग की वृहद संपदा की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ संध्या राय, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ निशा रिछारिया डॉ आभा वाधवा, डॉ.मनीषा तिवारी ,डॉ रीना मालवीय ,डॉ.कीर्ति दीक्षित डॉ. नीतू पवार, श्रीमती अंकिता तिवारी ,श्री देवेंद्र सैनी, श्री शैलेंद्र तिवारी ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का दिवस का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना का दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन एवं प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। संगीत विभाग के श्री प्रेमकांत कटंगकार एवं छात्राएँ पूजा, सांभवी, डॉली, वंदना, रिया, पारूल, पायल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्वयंसेवीकाओं द्वारा लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी गई एवं अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर किया गया। अपने उद्‌बोधन में प्राचार्य द्वारा स्वच्छता एवं अनुशासन से रहने के साथ–साथ समाज सेवा द्वारा व्यक्तित्व विकास का निर्माण करने की बात कही। उन्होंने छात्राओं को एन.एस.एस. का महत्व बताया एवं उससे जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी पुरस्कार से सम्मानित एन.एस.एस. की ऊर्जावान और भूतपूर्व छात्रा श्रीमती गुंजन पाठक ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि हम सभी को सिद्धांत वाक्य ''मैं नहीं आपको'' समझाते हुए बताया कि सभी स्वयंसेवक अपने आप से पहले दूसरों के लिए कार्य करते हैं उन्होंने बताया कि जीवन में उत्सुकता के साथ आगे बढ़ने कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अनुशासन तथा टीम वर्क में विश्वास रखना चाहिए।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने द्वारा एन.एस.एस. की वर्तमान और विगत वर्षों की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत नृत्य प्रस्तुत किए गये साथ ही भूतपूर्व छात्रा रोशनी धोटे, रिंकी वारबे, विनीता प्रजापति, मार्टिना हरियाले ने अपने अनुभव साझा करते हुए भविष्य में भी एनएसएस से जुडे रहकर समाज के लिए योगदान की बात कही।

गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने राष्ट्रीय सेवा योजना का दिवस मनाया

एन.एस.एस. की भूतपूर्व स्वयंसेविका रोशनी धोटे ने मुख्य अतिथि श्रीमती गुंजन पाठक एवं महाविद्यालय परिवार को पौधे भेंट किये एवं महाविद्यालय स्टाफ द्वारा पौधारोपण किया गया। विगत वर्ष की गतिविधि एवं प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। एनएसएस एवं एनसीसी की छात्राओं द्वारा मिनी मेराथन दौड का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

स्वदेश

प्राचार्य के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया

स्वदेश संवाददाता, होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना का दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पुजन एवं प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। कार्यक्रम दौरान संगीत विभाग के प्रेमकांत कटंगकार एवं छात्राएं पूजा, सांभवी, डॉली, वंदना, रिया, पारूल, पायल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्वयंसेवीकाओं द्वारा लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी गई एवं अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर किया गया।

राज एक्सप्रेस

छात्राओं को बताया राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का महत्व

एनएसएस एवं एनसीसी की छात्राओं ने मिनी मैराथन आयोजित की

गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया

आगे बढ़ने के लिए अपने कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए

दैनिक होशंगाबाद

औषधीय पौधों रोजगार की संभावना गृह विज्ञान अभी महाविद्यालय शिक्षा विभाग एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत औषधीय पौधों रोजगार की संभावना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस नर्सरी निर्माण का प्रशिक्षण छात्राओं को दिया गया महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मार्गदर्शक डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमारे महाविद्यालय में भी औषधीय पौधों का बहुत विकसित गार्डन हैं जिसमें सभी औषधीय पौधों का वनस्पतिक नाम एवं उनके उपयोग बताए गए हैं, बताया कि आज कल हम सभी का रुझान हर्बल उत्पादन की तरफ हो गया है। दवाइयां हो या ब्यूटी प्रोडक्ट हम सभी हर्बल उत्पाद लेना पसंद करते हैं। कोरोना काल में हम सभी ने अपनी घरों में गिलोय, तुलसी, लेमन ग्रास, दालचीनी जैसे औषधीय का उपयोग किया है

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे पांच दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ

विषय विशेषज्ञ के रूप में श्रीमती विनीता शर्मा नर्सरी निर्माण की प्रारंभिक अवस्था से प्रारंभ करते हुए बताया कि नर्सरी निर्माण के लिए सर्वप्रथम बीजों की बुवाई पौधों की देखभाल एवं उसको किस तरह कीड़ों से सुरक्षित रखा जा सकता है हमारी भारतीय संस्कृति में हमेशा से ही औषधियों पौधों का महत्व रहा है। पहले वैद्य जड़ी बूटी के द्वारा रोगों का उपचार करते थे। परंतु धीरे–धीरे लोगों ने इनका उपयोग करना कम कर दिया, परंतु स्वामी रामदेव बाबा के प्रयासों के द्वारा औषधीय पौधों एवं जड़ी बूटियों को फिर से चलन में लाया गया वर्तमान समय में युवा इन पौधों के प्रति रुचि लेकर नर्सरी जैसे व्यवसाय की तरफ आगे बढ़ रहे हैं हम सभी ने अपने घरों में गिलोय अश्वगंधा दालचीनी जैसे पौधों को लगाया है नर्सरी निर्माण के लिए सबसे पहले पौधशाला तैयार की जाती है जिसमें बीज की बुवाई नवजात पौधों की देखभाल एवं उनको कीड़ों से सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है इसके लिए छोटी–छोटी क्यारियां बनाई जाती है।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना पर दी जानकारी

गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम से हमारे विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम में मार्गदर्शन दिया जाता है कि वे आदिवासी समाज से संपर्क कर उनके औषधीय पौधों के ज्ञान को एकत्र करें। विद्यार्थी अपनी घर की बगिया से जरूर जुड़े रहें। कोरोना काल में हमारा औषधीय ज्ञान अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। इस दौरान डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. उमेश सिंह, मुख्य अतिथि वक्ता डॉ आरएसएस सिकरवार ने औषधीय पौधों के विषय में जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. उमेश सिंह, डॉ. महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल, मुख्य वक्ता डॉ. आरएसएस सिकरवार प्राध्यापक एवं संयोजक डॉ. संगीता अहिरवार, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन उपस्थिति रही।

नर्सरी बेड तैयार किए जाते हैं तत्पश्चात इसमें बीच रोपे जाते हैं बीज से नवजात पौधे आ जाते हैं तो 14 से 21 दिनों के बीच इनमें पेस्टिसाइड का छिड़काव करना पड़ता है क्योंकि इस बीच पौधों में कीड़े लगने की संभावना अधिक हो जाती है। नर्सरी बेड की सुरक्षा के लिए इन्हें काली प्लास्टिक से ढक देना चाहिए और कुछ समय बाद इसकी स्पाई करना आवश्यक होता है सीट ट्रे वर्तमान समय में इसका चलन इसलिए अधिक हो गया है क्योंकि यह सीमित स्थान में पौधे की रोपाई की जाती है इस पद्धति में 7 से 10 दिन में बीज से पौधा बनाया जा सकता है यह विपरीत मौसम में भी उपयोगी होता है इसके फायदे यह है कि यह कम बजट एवं कम जगह में अधिक कार्य किया जाता है।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ

आदिवासी समाज से औषधीय पौधों का ज्ञान एकत्र करें

100 पौधों की नर्सरी के लिए 3 गुना जमीन की आवश्यकता होती है पॉलीहाउस नर्सरी का एक उत्कृष्ट प्रकार है इसमें ग्रीन नेट से पौधों को ढक दिया जाता है जिस पौधों की जैसी प्रकृति होती है उसे उस प्रकार का वातावरण दिया जाता है जैसे कम धूप वाले पौधों को सुरक्षित रखा जा सकता है एक विकसित नर्सरी तैयार करने के लिए 10000 से 11000 की कीमत लगती है। एक स्वास्थ्य पौधा 150 रूपये में बिक जाता है वर्तमान समय में नक्षत्र वाटिका का भी चलन है लोग अपने घरों में नक्षत्र वाटिका के अनुसार पौधे लगाते हैं जो लाभदायक होते हैं।

श्रीमती शर्मा ने छात्राओं को के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बताया कि छोटे पौधों की देखभाल अधिक करनी होती है जब जब वे परिपक्व हो जाते हैं तो उन्हें समय–समय पर खाद और पानी देने की आवश्यकता होती है कार्यक्रम का संचालन कुमारी सौम्या चौहान के द्वारा किया गया एवं इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ राम बाबू मेहर द्वारा मुख्य वक्ता एवं महाविद्यालय परिवार छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

पंचायत भवन डोंगरवाडा में पौधारोपण एवं जागरूकता रैली निकालकर कर शुभारंभ शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद द्वारा गोद ग्राम डोंगरवाडा के समग्र विकास हेतु आयोजित की जाने वाली गतिविधियों में सर्वप्रथम आज दिनांक 04.09.2021 को पंचायत भवन डोंगरवाडा में पौधारोपण एवं जागरूकता रैली निकालकर कर शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा उपस्थित श्री संत बवानीदास जी एवं श्रीमती सरोज साहू सरपंच, श्री शिवराम कटारे सचिव, एवं समाजसेवी संतोष साहू तथा ग्राम के वरिष्ठ जनों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया।

गोद ग्राम समिति की संयोजक डॉ कंचन ठाकुर द्वारा ग्राम वासियों को समस्त संचालित होने वाली गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा माह में 2 बार समस्त गतिविधियों को लेकर ग्रामीण जनों से चर्चा कर उनके सुझाव से शासन के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। गोद ग्राम समिति की अध्यक्ष डॉ कामिनी जैन ने अपने उद्‌बोधन में ग्राम वासियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ग्राम का सर्वांगीण विकास ग्राम जनों के सहयोग एवं समन्वय द्वारा ही किया जा सकता है। ग्राम डोंगरवाडा में ग्रामीण समस्याओं के समाधान एवं विकास के नवीन आयाम शासन के समक्ष प्रस्तुत कर ग्राम में स्थापित करने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के प्रमुख श्री बवानी प्रसाद ने समिति के साथ मिलकर काम करने की बात कही तथा शिक्षा स्वास्थ्य स्वच्छता के लिए लोगों को जागरूक ता एवं इस संबंध में ग्राम जनों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निदान कर चर्चा की भी बात कही।

डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा समग्र विकास हेतु समस्त उपस्थित जनों को शपथ दिलाकर पंचायत प्रांगण, आश्रम, प्राथमिक शाला, ग्राम के घरों के आंगन में फलदार औषधि पौधों का रोपण कर उसके संरक्षण के लिए कहा इस अवसर पर एन.एस.एस., एनसीसी समाजशास्त्र एवं समाज समाज कार्य विभाग की छात्राओं द्वारा ''सूखी धरती करे पुकार वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार'' प्रकृति के दुश्मन तीन पानी पाउच पॉलिथीन– नारे लगाकर जागरूकता रैली ग्राम के पंचायत भवन से आश्रम तक निकाली गई एवं उपस्थित ग्राम जनों को मास्क वितरित कर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया। प्राथमिक शाला में पौधारोपण के दौरान शिक्षिका श्रीमती पद्‌मलता शर्मा, चन्द्रकला, अनुराधा द्वारा शाला की समस्याओं से अवगत कराया गया तथा ग्राम में शिक्षा एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान की बात भी कही।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. हर्षा चचाने द्वारा सभी का आभार किया गया एवं सहयोग की बात कही। इस अवसर पर रेडक्रास समिति के श्री शेर सिंह बड़कुर समिति के सदस्य डॉ हर्षा चचाने, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ रीना मालवीय, डॉ नीतू पवार, श्री रफीक अली,एन.सी.सी. अधिकारी डॉ संगीता पारे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अलका राजपूत, रिचा, विनीता नीलम तथा शिक्षिका पद्‌म लता शर्मा अनुराधा चंद्रकला नीलम तथा जयंती बाई जयंती बाई अन्य ग्राम जन उपस्थित रहे।

म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र का: शुभारंभ शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ मॉ सरस्वती के पूजन अर्चन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया। म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय के निर्देशक एवं होशंगाबाद, छिंदवाडा क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव वर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय का केन्द्र होने से जो विद्यार्थी नियमित अध्ययन नही कर पाते है वे इसके माध्यम से अपनी शिक्षा पूर्ण कर सकते है। इन पाठ्यक्रमों हेतु उम्र का कोई बंधन नही है साथ ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र लगाने की अनिवार्यता भी नही है।

प्रदेश

शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में मप्र भोज मुक्त विवि अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय होशंगाबाद क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक एवं नर्मदा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ओ. एन. चौबे ने अपने उद्बोधन में बताया कि मध्यप्रदेश में भोज विश्वविद्यालय एक मात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसका संचालन म.प्र. सरकार द्वारा किया जाता है तथा पूरे प्रदेश में 500 से अधिक शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में इसके अध्ययन केन्द्र है। उन्होने बताया कि इस विश्वविद्यालय से पंजीयन कराने वाले विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय में इग्नू के पाठ्यक्रम पिछले 5 वर्षों से संचालित है अब म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र प्रारंभ होने के बाद विद्यार्थी एम.बी.ए., विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, पी. जी. डिप्लोमा में अपने कार्य के साथ अपनी शैक्षणिक योग्यताओं का विस्तार कर सकते है। उन्होने कहा कि इस अध्ययन केन्द्र से म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्राओं के साथ छात्र भी अध्ययन कार्य पूर्ण कर सकतें है।

अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा रामचरित मानस का सामाजिक प्रभाव, योग एवं ध्यान, मानव अधिकार में प्रमाण पत्र, अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रबंध में पी.जी. डिप्लोमा, विरासत प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा, जैव सूचना विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा आदि जन सामान्य के लिए बहुपयोगी पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है। विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2021 है।

जीवन की प्रत्येक अवस्था में पोषण का महत्व" विषय पर वेबीनार का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में "जीवन की प्रत्येक अवस्था में पोषण का महत्व" विषय पर वेबीनार का आयोजन, डॉ. रेनू बाला शर्मा, डॉ मधुबाला वर्मा, डॉ. वंदना श्रीवास्तव के आतिथ्य मे संपन्न हुआ।

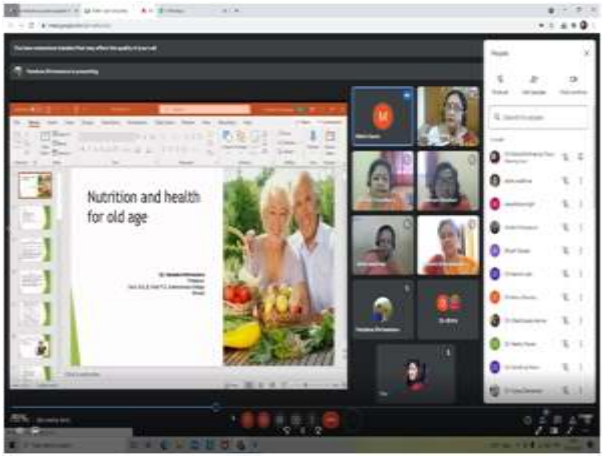

कार्यक्रम में सर्वप्रथम अपने स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने विचार प्रस्तुत किए, उन्होंने बताया कि पोषक तत्व शरीर को समृद्ध बनाते हैं नये उतकों का निर्माण और उनकी मरम्मत करते हैं। शरीर को ऊष्मा और ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसलिए संतुलित आहार की आवश्यकता मनुष्य को हर अवस्था में होती है। संतुलित आहार वह है जिसमें पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज लवण और जल शारीरिक आवश्यकता के हिसाब से उचित मात्रा में मौजूद हो। संतुलित आहार खाने वाले स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली की नींव रखते हैं। इससे दीर्घकालीन स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है, साथ ही यह देश में मानव संसाधनों के विकास के लिए भी बेहद जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। हमें आहार क्रांति की शुरुआत करनी होगी। उत्तम आहार पर एक अभियान शुरू करने की आवश्यकता है। आहार क्रांति से ही देश कुपोषण और गंभीर बीमारियों से मुक्त होगा और उन्नत समाज और श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष और विषय विशेषज्ञ डॉ किरण पगारे ने विषय को विस्तार से समझाते हुए बताया की पोषण की आवश्यकता शिशु को गर्भ से होती है। पोषक तत्व हमें ऊर्जा देते हैं, सुरक्षा देते हैं, शरीर की टूट–फूट को ठीक करते हैं। बिना पोषक तत्व के हमारा शरीर कमजोर होगा एवं विभिन्न बीमारियों से घिर जाएगा।

7 भोपाल, बुधवार 08 सितंबर 2021 | दैनिक खबरों में हमारा शहर

संतुलित आहार की आवश्यकता मनुष्य को हर अवस्था में होती है: डॉ. कामिनी

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय गृह विज्ञान विभाग की डीन एवं लक्ष्मण सिंह गौर अवार्ड प्राप्त डॉ. रेनू बाला शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया की ग्लोबल हंगर इंडेक्स में कुल 117 देशों में से भारत का 102 स्थान था। इसलिए देश में पोषण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। हर व्यक्ति की पोषक तत्वों की आवश्यकता अलग–अलग होती है, भारत में संतुलित भोजन की अनुपलब्धता से लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। हमें इस दिशा में पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में हमारा समाज दो वर्गों में बट गया है, एक वह जो मोटापे से ग्रस्त है और दूसरा जो कम भोजन की समस्या से जूझ रहा है। भारत में ग्रामीण अंचल में महिलाओं की स्थिति अधिक चिंताजनक है। हमें पोषण की दृष्टि से भारत को समृद्ध बनाना है। खानपान में प्रदूषण की

वजह से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां हो रही है इसलिए हमें ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। जंक फूड हमारे जीवन के लिए खतरनाक है, हमें जंक फूड का विकल्प ढूंढना पड़ेगा। जीवन की प्रत्येक अवस्था में हमें पोषण तत्वों की आवश्यकता होती है इसलिए हमें इस पर ध्यान देना चाहिए।

विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक डॉ. संध्या राय ने पोषण सप्ताह की ऐतिहासिक जानकारी दी, उन्होंने बताया कि भारत में 1982 से, 1 से 7 सितंबर तक बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए जन सामान्य को पोषण तत्वों की जानकारी देने के लिए पोषण सप्ताह मनाया जाता है। 2021 में स्मार्ट फीडिंग प्रोग्राम भी प्रारंभ हुआ है जिसमें जन्म से ही बच्चों के लिए उचित पोषण की व्यवस्था की बात कही गई है। इस विकट महामारी में भोजन में पोषक तत्व मानसिक स्वास्थ्य व शारीरिक स्वास्थ्य में घनिष्ठ संबंध स्थापित करता है। पोषण एक बुनियादी आवश्यकता है। भारत में 15 प्रतिशत बीमारियां उचित पोषण के अभाव में होती हैं इसलिए संपूर्ण समाज को पौष्टिक भोजन का प्रयोग करना चाहिए थोड़ी सी जागरूकता से हम कम खर्च में भी उचित पोषण तत्व प्राप्त कर सकते हैं।

विषय विशेषज्ञ एमएलबी महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ वंदना श्रीवास्तव ने वृद्धावस्था में पोषण की आवश्यकता विषय पर अपने उद्‌गार व्यक्त किए, उन्होंने बताया कि इस अवस्था में शरीर में शुगर, ब्लड प्रेशर, थायराइड और पाचन संबंधी अनेक समस्याएं हो जाती हैं इसलिए इस अवस्था में पोषक तत्व प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। इस अवस्था में भी महिलाओं और पुरुषों में उम्र के हिसाब से पोषक तत्वों की आवश्यकता अलग–अलग होती है। शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन इस अवस्था में तीव्र गति से होता है। संतुलित आहार की आवश्यकता आयु, लिंग, कार्यपद्धति, मौसम व स्थान के आधार पर अलग–अलग होती है। उन्होंने विभिन्न पोषक तत्वों की जानकारी देते हुए विभिन्न आयु वर्ग में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विषय विशेषज्ञ एवं एम.एल.बी. महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ मधुबाला वर्मा ने नवजात शिशुओं और धात्री माता के उचित पोषण विषय पर अपने विचार दिए तथा गर्भावस्था की विभिन्न अवस्थाओं एवं प्रसव के पश्चात महिलाएं एवं नवजात शिशु कि भोजन संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया की धात्री माता अर्थात् स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सामान्य महिलाओं की तुलना में दुगने प्रोटीन और ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

विषय विशेषज्ञ डॉ.संगीता अहिरवार, प्राध्यापक शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने किशोरावस्था में पोषण की आवश्यकता विषय पर अपने विचार रखें उन्होंने बताया कि किशोरावस्था संवेदनशील अवस्था होती है इसमें विकास की गति तीव्र होती है एवं संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास भी होता है। इस अवस्था में बालक एवं बालिकाओं की पोषण की आवश्यकता अलग–अलग होती है। वर्तमान समय में किशोर होते बच्चों में मोटापे और एनीमिया जैसी समस्याएं हो रही है। इसलिए संतुलित आहार आवश्यक है। बालिकाओं पर परिवार बढ़ाने की जिम्मेदारी और बालकों पर परिवार चलाने की जिम्मेदारी है। यही बालक बालिकाएं आगे चलकर राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे इसलिए इनके उचित खानपान की और हमें ध्यान देना चाहिए।

प्लास्टिक, प्रदूषण एवं निवारण विषय पर बेविनार एवं रैली का आयोजन शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 08.09.2021 को राष्ट्रीय हरित कोर योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने एवं **आजादी का अमृत महोत्सव** पर जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत **प्लास्टिक, प्रदूषण एवं इसका निवारण विषय पर बेविनार एवं रैली का आयोजन** किया गया।

कार्यक्रम उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. एम.डी. भारती चीफ मेडिकल हेल्थ ऑफीसर एवं अतिथि वक्ता के रूप मे श्री दुर्गेश राने सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र ने बताया कि प्लास्टिक का अविष्कार विज्ञान का बरदान और अभिशाप दोनो ही बन गया है। प्लास्टिक हमारे बीच स्टेशनरी, खिलौने, टंकिया, कच्चे घरों की छत, लाइट फिटिंग, बैग, फर्नीचर, दवाईयों की बॉटल आदि के रूप मे हमारे बीच विद्यमान है। प्लास्टिक कम खर्चीली, हल्की, जंगरोधी एवं टिकाउ होने के कारण मानव की जरूरत बन गई है। प्लास्टिक का टिकाउपन ही मानव एवं पर्यावरण के लिए घातक बन गया है। उपयोग के पश्चात् अनुपयोगी प्लास्टिक पर्यावरण में पहुचकर पर्यावरणीय कारकों से रासायनिक क्रिया करके अनेक जहरीली गैसे एवं केन्सरकारी पदार्थो का निर्माण करने लगती है।

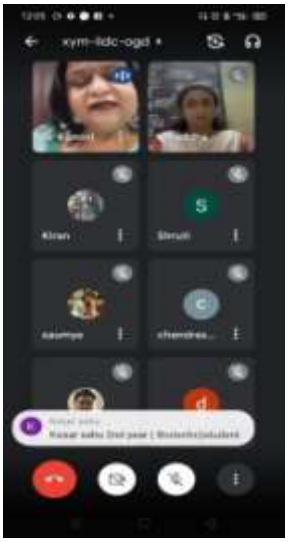

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने प्लास्टिक के अन्य विकल्पो के रूप जैसे– जूट, गन्ने आदि वनस्पति के रेशों से निर्मित बेग आदि को प्रचलन मे लाने पर जोर दिया एवं बताया कि, प्लास्टिक से बनी बॉटल, कंटेनर आदि को गमलों के रूप में पुनः उपयोग कर एवं इस प्रकार के कार्यक्रमों से सामाजिक चेतना लाकर, प्लास्टिक के उपयोग को कम करके प्रदूषण की समस्या को कम किया जा सकता है।

ईको क्लब के प्रभारी डॉ दीपक अहिरवार ने बताया कि 25 माईक्रोन से पतली प्लास्टिक पॉलीथीन जो सबसे ज्यादा हानिकारक है को जैव तकनीकी के माध्यम नष्ट करने पर शोध हो रहे हैं। बैज्ञानिको ने नायलॉन–2, नायलॉन–6 एवं पी.एच.बी.व्ही, प्लास्टिक का निर्माण किया है जो कम समय मे अपघटित होकर कम प्रदूषण फैलाते है।

'प्लास्टिक का अविष्कार वरदान और अभिशाप दोनों'

प्लास्टिक, प्रदूषण पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें ईको क्लब द्वारा आम जन को सिंगल यूज प्लास्टिक को छोडकर ईको फ्रेंडली बेग अपनाने को प्रेरित किया गया।

प्लास्टिक प्रदूषण रोकथाम एवं पुनः उपयोग'' विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 11 .09.2021 को प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय हरित कोर योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने एवं आजादी के अमृत महोत्सव पर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में ''प्लास्टिक प्रदूषण रोकथाम एवं पुनः उपयोग'' विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि नुक्कड़ नाटकों ने पारंपरिक रंगमंच नाटकों को काफी प्रभावित किया है। नाट्य प्रस्तुति का यह रूप जनता से सीधा संवाद स्थापित करने में सहायता करता है। इसमें दृश्य परिवर्तन नहीं होता और कलाकार विभिन्न संकेतो के माध्यम से इसकी सूचना देते हैं। जिससे दर्शक आसानी से समझ जाते हैं वर्तमान परिस्थिति में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्लास्टिक से होने वाली हानियों को आमजन तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।

कार्यक्रम के प्रभारी डॉ दीपक अहिरवार विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र ने बताया कि हमें प्लास्टिक की जगह दूसरे विकल्प का उपयोग करना चाहिए। जो पर्यावरण की दृष्टि से इको फ्रेंडली हो तथा मानव एवं पर्यावरण के लिए के लिए नुकसानदायी नहीं हो नुक्कड़ नाटक की तैयारी हेतु डॉ. हर्षा चचाने एन.एस.एस. प्रभारी इकाई 2, डॉ रीना मालवीय एन.एस.एस. प्रभारी इकाई 1 एवं श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ नीतू पवार ने इस कार्यक्रम हेतु छात्राओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया।

महाविद्यालय की छात्राएं शंभवी गौर बीएससी प्रथम वर्ष कंप्यूटर साइंस, कोमल राठौड़ बीकॉम कंप्यूटर प्रथम वर्ष, वंदना तिवारी बीकॉम कंप्यूटर प्रथम वर्ष, पायल राठौर बीकॉम कंप्यूटर प्रथम वर्ष, आयुषी सोनी बीए प्रथम वर्ष, रिया गौर बीएससी कंप्यूटर साइंस, प्रथम वर्ष सकून बीए द्वितीय वर्ष, वर्षा पगार एमएससी प्रथम वर्ष ने आज के विषय पर नुक्कड नाटक के माध्यम से विशेष प्रस्तुति दी।

स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में हिंदी व्याख्यान माला के द्वितीय चरण में स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन सारस्वत वक्ता डॉ. अरूणाभ सौरभ सहायक प्राध्यापक एन.सी.ई.आर.टी. क्षेत्रीय शिक्षा एवं साहित्यकार ,मुख्य वक्ता डॉ पंकज पुरोहित नवलेखन पुरस्कार एवं वागेश्वरी सम्मान जैसे अनेक सम्मान से सम्मानित, गीत, लेखक, कहानीकार, आलोचक एवं अनुवादक एवं डॉ. श्रीमती कामिनी जैन प्राचार्य शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

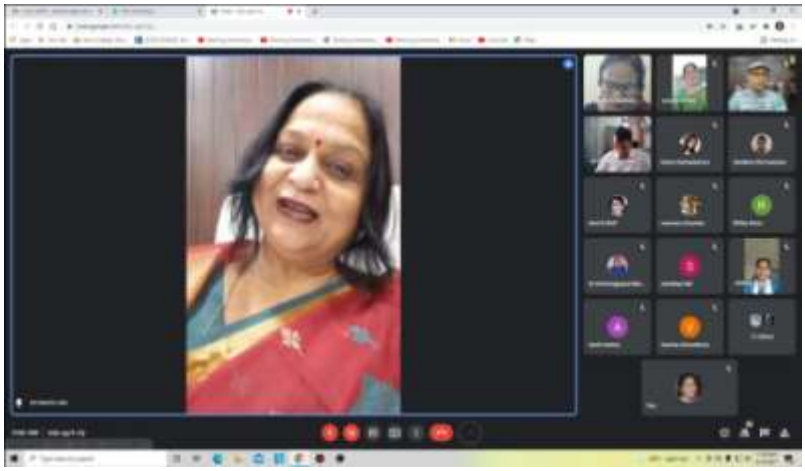

कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि, हमें भारत में एक राष्ट्र की भावना सुदृढ करनी है, तो एक संपर्क भाषा का होना नितांत आवश्यक है। इसलिए हिंदी को राष्ट्रीय स्वाभिमान का अंग एवं प्रेरणा स्रोत के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त समझते हुए भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। भारत में प्रचलित अनेकों भाषाओं में हिंदी का स्थान श्रेष्ठ है। अनेक राष्ट्रीय नेताओं ने प्रांतीयता की भावना से ऊपर उठकर मुक्त कंठ से हिंदी का समर्थन किया है। बाल गंगाधर तिलक का भाषा के संबंध विचार था कि, हिंदी ही एक मात्रभाषा है जो राष्ट्र भाषा हो सकती है। हिंदी का समर्थन करते हुए नागरी प्रचारिणी पत्रिका में उन्होंने लिखा था कि राष्ट्रीय आंदोलन का उद्देश्य समस्त भारतवर्ष में समान भाषा की स्थापना करना है। समान भाषा राष्ट्रीयता का प्रमुख अंग है यदि आप किसी राष्ट्र के लोगों को एक दूसरे के निकट लाना चाहे तो सबके लिए समान भाषा से बढ़कर सशक्त अन्य कोई बल नहीं है।

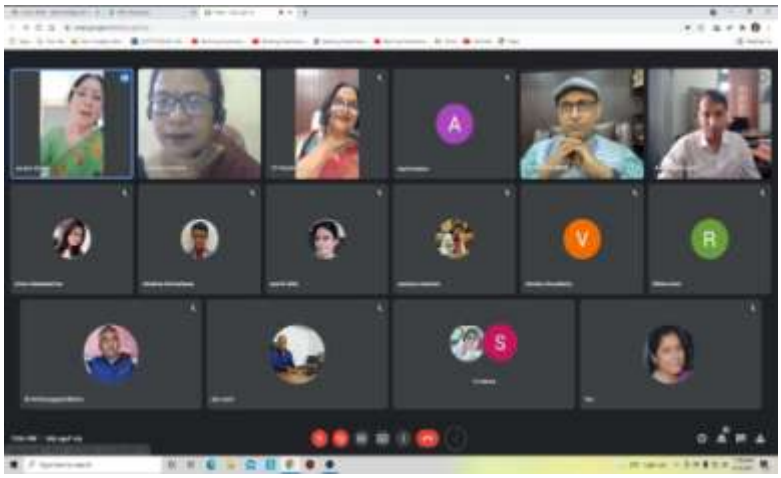

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. पुष्पा दुबे प्राध्यापक शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाया जाना चाहिए। 1857 से 1947 तक के आंदोलन में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी हिंदुस्तान की भाषा है। महात्मा गांधी, एनी बेसेंट, राजगोपालाचारी, बाल गंगाधर तिलक अनेकों स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को देश की भाषा माना है। हिंदी प्रजा की भाषा है। संपूर्ण विश्व में हिंदी बोलने वालों की संख्या लगभग 70 करोड़ है। भारत में इसके उन्नयन की आवश्यकता है।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय
होशंगाबाद में हिंदी व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

सारस्वत वक्ता डॉ अरुणाभ सौरभ प्राध्यापक एवं साहित्यकार ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी में बहुत गहरा संबंध है। 1857 के आंदोलन में एक केंद्रीय भाषा की सतत आवश्यकता थी और हिंदी में इस आवश्यकता को पूर्ण किया। वास्तव में हिंदी कोई एक भाषा नहीं है बल्कि यह कई भाषाओं का सम्मिश्रण है। यह संपूर्ण देश की भाषा है। हर व्यक्ति की भाषा है। हिंदी की उपस्थिति में फिल्म और प्रिंट मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है। आजकल गूगल और इंटरनेट में भी हिंदी का प्रयोग किया जाने लगा है। स्वाधीनता आंदोलन के बाद नवजागरण के दौर में ज्योतिबा फूले, रवीन्द्र नाथ टैगोर, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, विवेकानंद आदि सभी ने हिंदी को हमारे बीच रखा तथा सिंचित किया। विभिन्न विचारधाराओं के होते हुए भी सभी ने हिंदी को अपनाया। हिंदी स्वाधीनता आंदोलन की प्रेरणा है। हमारी विरासत है। हालांकि हिंदी इंजीनियरिंग मेडिकल और मैनेजमेंट की भाषा अभी तक नहीं बन पाई है, परंतु फिर भी यह आम जनता की भाषा है। 100 वर्षों में इस भाषा ने बहुत प्रगति की है परंतु अभी भी हम अकादमिक स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। हमें इस दिशा में सतत प्रयास करना होगा। मुख्य वक्ता पंकज सुबीर ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि, हिंदी भाषा मिश्रित भाषा है इसमें कई भाषाओं के शब्दों का समावेश है महात्मा गांधी ने हिंदी भाषा का गहन अध्ययन किया और सीखा क्योंकि उन्हें पता था कि जो लोग क्रांति में शामिल होंगे उनसे उनकी भाषा में ही बात करना होगा। उन्होंने हिंदी भाषा को मजबूत बनाया।

संपूर्ण विश्व में हिंदी बोलने वालों की संख्या लगभग 70 करोड़ है

स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन

डॉ पंकज सुबीर ने कहा कि हिंदी भाषा के उत्थान की आवश्यकता है अभी भी दक्षिण भारत में इसका पर्याप्त प्रचार नहीं हो पाया है। पत्रकार, लेखक, प्रिंट मीडिया आदि इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बीसवीं शताब्दी में हिंदी का परिष्कृत रूप सामने आया हिंदी जनचेतना जगाने का कार्य करती है। स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ श्रुति गोखले प्राध्यापक शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. कीर्ति दीक्षित ने किया। तकनीकी सहयोग सौम्या चौहान एवं डॉ मनीषा तिवारी ने किया।

उद्यमिता भ्रमण शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत उद्यमिता भ्रमण हेतु छात्राओं को बंबू क्राफ्ट एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर बनखेड़ी ले जाया गया जहां पर छात्राओं ने बांस एवं मिट्टी से बने हुए विभिन्न प्रकार के सामग्रियों की जानकारी प्राप्त की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से छात्राओं को विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है और उनके ज्ञान में वृद्धि होती है और वे ज्ञान के साथ–साथ किस प्रकार से एक स्वरोजगार की स्थापना कर सकती हैं। इसकी संपूर्ण जानकारी भी छात्राएं प्राप्त कर सकती हैं। प्रकोष्ट प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया कि स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत उद्यमिता भ्रमण से छात्राओं को स्वरोजगार से जुडने के नये नये अवसर प्राप्त होते है।

श्री विकास कुमार मोहरीर ने बताया कि मिट्टी के बर्तन, मूर्तियां दिए आदि के निर्माण हेतु एक विशेष प्रकार की मिट्टी एवं बांस की सामग्री बनाने हेतु कच्चे बांस को किस प्रकार विभिन्न आकारों में काटकर बांस का उपयोग सामग्री बनाने में किया जाता है। इस प्रकार छात्राएँ बांस से बनी वस्तुएँ जैसे चेयर, ट्रे, झूले, शील्ड आदि एवं पॉटरी मेकिंग द्वारा स्वरोजगार स्थापित कर सकते है।

कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. संजीव कुमार गर्ग वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र खेती–किसानी तथा ग्रामीण विकास हेतु प्रतिपल कार्यरत रहते है। डॉ. दिवाकर वर्मा ने बताया कि हमारे यहां देसी उत्पाद विलुप्त होती जा रही है। विभिन्न प्रकार की कृत्रिम एवं हाइब्रिड वस्तुओं का चलन बढ़ता जा रहा है अतः कृषि विज्ञान केंद्र का प्रमुख उद्देश्य है – स्वदेशी चीजों को वापस लाना। यहां पर विभिन्न प्रकार की अपशिष्ट पदार्थों से खाद्य का उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बीज उत्पादन एवं विभिन्न प्रकार की फसलों की जानकारी प्रदान की जाती है एवं कम जगह में हम सब्जियों एवं फूलों का उत्पादन कर सकते हैं। गौशाला अनुसंधान इकाई के अंतर्गत साहिवाल नस्ल की गाय पालन की उपयोगिता की विशिष्ट जानकारी प्रदान की गई उन्होंने बताया कि एजोला पौष्टिक आहार के साथ पशुओं के लिए कम पानी और सीमित क्षेत्रफल में उगाए जाने वाले पोषण से भरपूर हरे चारे का सर्वश्रेष्ठ विकल्प है । इसकी महत्वपूर्ण जानकारी छात्राओं को दी गई।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20.09.21 से 5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ उमेश सिंह निदेशक स्वामी विवेकानंद केरियर मार्ग दर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल ,मुख्य वक्ता डॉ आर एस एस सिकरवार प्राध्यापक एवं संयोजक डॉ संगीता अहिरवार ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान की।

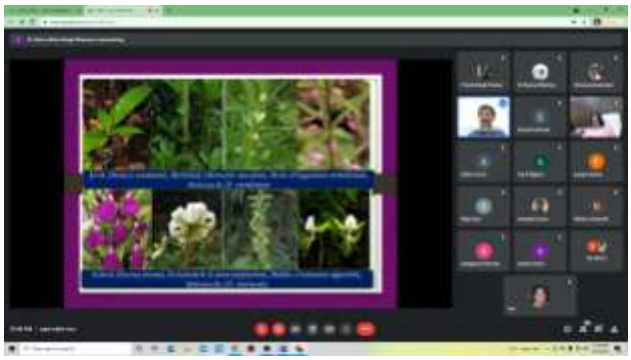

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

स्वागत भाषण में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम आभारी है उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव जी के जिन्होने इस प्रकार के संभाग स्तरीय कार्यक्रम को आयोजित करने का मार्गदर्शन प्रदान किया इस कार्यक्रम से हमारे विद्यार्थी और हम निश्चित तौर पर लाभांवित होंगे। हमारे द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन दिया जाता है कि वे आदिवासी समाज से संपर्क कर उनके औषधीय पौधों के ज्ञान को एकत्र करें। जो सभी के लिए लाभकारी होगा। विद्यार्थी अपनी घर की बगिया से जरूर जुड़े रहें ।कोरोना काल में हमारा औषधीय ज्ञान अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। हमारे द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया जाता है कि परिवार के बुजुर्गों से औषधि पौधों के महत्व को जानकर दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करें ,जो हमारे प्रतिरोधात्मक क्षमता को बढ़ाने में लाभकारी सिद्ध होगा। कोरोना के कठिन समय में विद्यार्थियों को प्रेरित किया है कि आपदा में अवसर तलाशने का कार्य करें।

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ संगीता अहिरवार में अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में औषधि पौधों का महत्व प्राचीन काल से है। औषधि पौधे औषधि के साथ–साथ आय के सर्वोत्तम साधन हो सकते है।

औषधीय पौधों के महत्व को जानकर दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करें

मुख्य अतिथि डॉ उमेश जी निदेशक स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल में अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का संपूर्ण आयुर्विज्ञान पौधों पर आधारित है। हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथों रामायण इत्यादि में औषधीय पौधों की विस्तृत जानकारी एवं उनके प्रयोग के प्रमाण मिलते हैं।

मुख्य अतिथि वक्ता डॉ आर एस एस सिकरवार ने अपने उद्बोधन में औषधि पौधों की जानकारी एवं महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि औषधि पौधों का उपयोग जब से मानव की उत्पत्ति हुई तब से वह करता आ रहा है। जंगल में निवास करने वाली जनजाति औषधीय पौधों की बड़ी जानकार है। प्रकृति में कोई भी ऐसी चीज नहीं जिसका औषधीय महत्व ना हो। तुलसी हमारा मातृ पौधा है।अशोक वृक्ष ,पीला पलाश, जटामांसी ,गिलोय ,नागफनी , अश्वगंधा ,सहजन ,नीम ,तुलसी अदरक आदि अत्यंत लाभकारी कारी पौधे हैं ।

डॉ.मनीष चंद्र चौधरी ने महाविद्यालय में संचालित औषधि उद्यान एवं वनस्पति विभाग की वृहद औषधीय संपदा की जानकारी दी।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए डॉ श्रुति गोखले ने अपने उद्बोधन में कहा कि 5 दिवसीय इस कार्यक्रम में हम औषधि पौधों का परिचय ,उपयोग, औषधि पौधों की उत्पादन तकनीक ,औषधि पौधों की देखभाल एवं रखरखाव नर्सरी निर्माण, बीज बैंक का निर्माण विषय पर वृहद जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित होंगे। आभार प्रदर्शन डॉक्टर कंचन ठाकुर ने किया।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ

आदिवासी समाज से औषधीय पौधों का ज्ञान एकत्र करें

होशंगाबाद, देशबंधु। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ उमेश सिंह निदेशक स्वामी विवेकानंद केरियर मार्ग दर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल, मुख्य वक्ता डॉ आरएसएस सिकरवार प्राध्यापक एवं संयोजक, डॉ संगीता अहिरवार ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन उपस्थित रहीं।

प्राचार्य डॉ जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन दिया जाता है कि वे आदिवासी समाज से संपर्क कर उनके औषधीय पौधों के ज्ञान को एकत्र करें। जो सभी के लिए लाभकारी होगा। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ संगीता अहिरवार ने कहा कि हमारे देश में औषधि पौधों का महत्व प्राचीन काल से है। औषधि पौधे औषधि के साथ-साथ आय के सर्वोत्तम साधन हो सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ उमेश सिंह निदेशक स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग ने में कहा कि भारत का संपूर्ण आयुर्विज्ञान पौधों पर आधारित है। हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथों रामायण इत्यादि में औषधीय पौधों की विस्तृत जानकारी एवं उनके प्रयोग के प्रमाण मिलते हैं।कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए डॉ श्रुति गोखले ने औषधि पौधों का परिचय ,उपयोग, औषधि पौधों की उत्पादन तकनीक ,औषधि पौधों की देखभाल एवं रखरखाव नर्सरी निर्माण, बीज बैंक का निर्माण विषय पर वृहद जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित होंगे। आभार प्रदर्शन डॉक्टर कंचन ठाकुर ने किया।

इस कार्यक्रम में नर्मदा पुरम संभाग के संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक ,विद्यार्थी शोधार्थी, ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए ।महाविद्यालय द्वारा आज विवेकानंद मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत संपूर्ण संकाय की द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। तृतीय दिवस ''औषधीय पौधों की देखभाल एवं रखरखाव'' विषय पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. संध्या मुरे वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि भारत में कुछ वर्षों में औषधि फसलों की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है और इस तरह की खेती कर किसान मालामाल हुए हैं। औषधीय पौधे लगाकर आय में 4 गुना तक वृद्धि की जा सकती है। औषधीय पौधों की खेती बेकार पड़ी बंजर और पहाड़ी इलाकों में भी की जा सकती है। औषधि पौधे लगाने पर 30 से 75: तक सब्सिडी मिलती है सरकार इसके लिए तकनीकी सहयोग और प्रशिक्षण भी देती है। भारत में औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान 'सीमैप' के जरिए इन औषधीय फसलों पर रिसर्च के साथ–साथ समय–समय पर मार्गदर्शन भी प्राप्त कर सकते हैं। यह एक सरकारी संस्था है जो मेले और सेमिनार का भी आयोजन करती है। जिससे किसान सीधे वैज्ञानिकों से बात कर सकते हैं। सरकारे भी औषधि खेती को बढ़ावा दे रही हैं। औषधीय पौधों की खेती अधिक लाभकारी व टिकाऊ है क्योंकि इन फसलों को अपेक्षाकृत कम खाद पानी और कम देखभाल की आवश्यकता होती है। औषधि पौधों का उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में किया जाता है। जिसकी मांग देश के आयुर्वेदिक कंपनियों के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी रहती हैं।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्यार्थी अपनी घर की बगिया से जरूर जुड़े रहें : डॉ. कामिनी

शा. गृहविज्ञान महाविद्यालय में 5 दिवसीय औषधीय पौधों पर रोजगार संभावना पर कार्यक्रम का शुभारंभ

विषय प्रवर्तन करते हुए विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना की संयोजक डॉ. संगीता अहिरवार ने कहा कि रोजगार का श्रेष्ठ विकल्प औषधीय पौधों की खेती है यदि किसान परंपरागत और पुराने तरीके से खेती करेगा तो आज के युग में पिछड़ जाएगा। इसलिए उसे हर उस तरीके को अपनाना होगा जिससे उसकी आय में वृद्धि हो। प्रकृति में कोई ऐसी वनस्पति नहीं है जिसमें औषधि गुण ना हो।

5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ

स्वदेश संवाददाता, होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20 सितंबर से 5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ उमेश सिंह निदेशक स्वामी विवेकानंद केरियर मार्ग दर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल ,मुख्य वक्ता डॉ आरएस एस सिकरवार प्राध्यापक एवं संयोजक, डॉ संगीता अहिरवार ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान की। औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण में महाविद्याल की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बो में कहा कि हम आभारी है उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मो यादव जी के जिन्होंने इस प्रकार के संभाग स्तर कार्यक्रम को आयोजित करने का मार्गदर्शन प्र किया इस कार्यक्रम से हमारे विद्यार्थी और हम नि तौर पर लाभांवित होंगे।

औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना पर दी जानकारी

गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 दिवसीय औषधीय पौधों में रोजगार की संभावना विषय पर कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम से हमारे विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम में मार्गदर्शन दिया जाता है कि वे आदिवासी समाज से संपर्क कर उनके औषधीय पौधों के ज्ञान को एकत्र करें। विद्यार्थी अपनी घर की बगिया से जरूर जुड़े रहें। कोरोना काल में हमारा औषधीय ज्ञान अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। इस दौरान डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. उमेश सिंह, मुख्य अतिथि वक्ता डॉ आरएसएस सिकरवार ने औषधीय पौधों के विषय में जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. उमेश सिंह, डॉ. महेंद्र मेहरा संभागीय नोडल अधिकारी भोपाल, मुख्य वक्ता डॉ. आरएसएस सिकरवार प्राध्यापक एवं संयोजक डॉ. संगीता अहिरवार, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन उपस्थिति रही।

मुख्य वक्ता वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ.संध्या मुरे ने अपने वक्तव्य में बताया की मुख्य रूप से जब हम पौधा लगाएं तो एक भाग मिट्टी एक भाग कंपोस्ट खाद और एक भाग रेत का लेना चाहिए। उन्होंने विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी तथा वह किस रोग में किस प्रकार कारगर हैं इस संबंध में विस्तारसे समझाया। उन्होंने बताया की तुलसी का संपूर्ण पौधा औषधि है जितना हम स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहेंगे उतना ही हम औषधीय पौधों को अपने घर में लगाएंगे उन्होंने देसी गुलाब, गुड़हल, तुलसी, बावची, अकर्करा, मरुआ, गिलोय, सताबरी, अरंडी, कालमेष, हरसिंगार, कलिहारी, मंडूकपर्णी, अश्वगंधा, कड़ी पत्ता, एलोवेरा आदि बहुत से औषधीय पौधों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी उन्होंने किस पौधे को कौन सी मिट्टी चाहिए वह किस मौसम में लगाना चाहिए किस प्रकार की खाद का उपयोग करना चाहिए और उसकी दे खभाल के संबंध में विस्तार से समझाया।

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में 5 दिवसीय औषधीय पौधों पर रोजगार संभावना पर कार्यक्रम का शुभारंभ

कोरोना काल में हमारा औषधीय ज्ञान अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है: प्राचार्य डॉ जैन

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ निशां रिझारिया ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ.हर्षा चचाने ने किया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 29 सितंबर 21 को मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के सौजन्य से वित्त पोषित एवं क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं डाइटेटिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय बेबीनार में मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक भोपाल नर्मदापुरम संभाग डॉ. संजय जैन ,मुख्य वक्ता डॉ. संजय कुमार मिश्रा विभागाध्यक्ष आहार एवं पोषण विभाग एम. एम.आर.आई अस्पताल पटना बिहार, विषय विशेष डॉ. डेज़ी शर्मा सहायक प्राध्यापक डाउन टाउन विश्वविद्यालय, विषय वक्ता सुश्री नैना खत्री भूतपूर्व छात्र सीएनडी विभाग न्यूट्रीनिस्ट दिल्ली, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन एवं आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर समन्वयक सीएनडी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया

मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात् राष्ट्रीय वेबीनार का शुभारंभ किया गया सभी अतिथियों का महाविद्यालय की ओर से स्वागत करते हुए प्रचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कोविड काल में महाविद्यालय द्वारा आइसोलेट 1200 से 1500 लोगों की काउंसलिंग की गई। इस समय महाविद्यालय द्वारा योग प्रशिक्षक, आहार विशेषज्ञ, मोटिवेशनल स्पीकर एवं चिकित्सीय परामर्श दाता द्वारा कोविड जैसी महामारी में आत्मविश्वास को बनाए रखने के लिए सतत् व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। प्रकृति प्रदत्त पदार्थों में प्रचुर मात्रा में विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, लवण, पाया जाता है। इस वेबीनार में इम्यूनिटी बूस्टिंग पुस्तिका का विमोचन किया जा रहा है जो की स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस पुस्तिका में 32 व्यंजनों में मौजूद पोषक तत्वों

होम साइंस कॉलेज में हुआ वेबिनार

की तालिका भी दी गई है, पोषक पदार्थों एवं व्यंजन से भरपूर पोषक आहार प्राप्त कर स्वस्थ एवं तंदुरुस्त काया को प्राप्त किया जा सकता है। इस पुस्तिका का संकलन छात्राओं द्वारा ऑनलाइन प्रविष्ट व्यंजनों को एकत्र कर मूर्त रूप प्रदान किया गया है। डॉ. जैन ने बताया कि यह पुस्तिका जिले के विद्यार्थियों और जनसाधारण के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। जिसका लाभ लेकर वह अपने पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर को सुदृढ़ कर सकेंगे। पुस्तिका में ऐसी पाक विधियां उनके पौषणिक मूल्य के साथ दी गई है। जिन्हें जनसाधारण आसानी से तैयार कर ग्रहण कर सकेंगे। कोरोना काल में ऐसी पुस्तिका की आवश्यकता थी जिसमें समस्त सामग्री के पोषक मूल्यों को विश्व की विस्तृत जानकारी हो। यह इसी संदर्भ में छोटा सा प्रयास है इस पुस्तिका में कुल व्यंजन विधियों को शामिल किया गया है, जो इन दिनों प्रचलन में हैं महाविद्यालय द्वारा हमेशा से ही रचनात्मक एवं प्रेरणास्पद कार विद्यार्थियों एवं जनसाधारण हेतु किए जाते रहे हैं उन्हीं कार्यों की कार्यों की श्रृंखला में एक और कड़ी के रूप में इम्यूनिटी बूस्टिंग रेसिपी पुस्तिका जुड़ गई है जिसका वितरण गोद ग्राम डोंगरवाड़ा, महिला बाल विकास एवं जिला चिकित्सालय में किया जा रहा है।

वित्त पोषित एवं क्लिनिकल न्यूट्रेशन एवं डाइटेटिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबीनार का किया आयोजन

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महाविद्यालय द्वारा विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान द्वारा समय–समय पर लोगों का मार्गदर्शन किया जाता रहा है आज का विषय चयन आज की वर्तमान परिस्थितियों में कोरोना ही नहीं अन्य दूसरी बीमारियों से भी व्यक्ति जूझ रहा है। इनसे लड़ने की क्षमता उचित पोषण से ही प्राप्त की जा सकती है, जो हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है।

मुख्य अतिथि डॉ संजय जैन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस कोविड–19 महामारी के समय हमने यह जाना है कि हमारे प्राकृतिक आयुर्वेदिक एवं हमारी रसोई के संसाधन अत्यंत गुणकारी है। हम अनादिकाल से इन चीजों का उपयोग करते आ रहे हैं, यह हमारी प्रतिरोधात्मक क्षमता को बढ़ाने वाले माध्यम हैं। हमें अधिकाधिक घरेलू औषधि एवं पोषक तत्वों का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर इम्यूनिटी बूस्टिंग व्यंजन पुस्तिका का विमोचन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ संजय कुमार मिश्रा विभागाध्यक्ष आहार एवं पोषण विभाग एच.एम.आर.आई. अस्पताल पटना बिहार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सितंबर माह पोषण माह की थीम पर कार्य कर रहा है। पोषण माह वर्ष 2018 से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी मंशानुसार मनाया जा रहा है। कुपोषण से पोषण की ओर जाना हमारे मुख्य उद्देश्य है। यदि कुपोषण नहीं होगा तो देश तेजी से आगे बढ़ेगा पोषण की ओर हम तभी बढ़ सकते हैं, जब हम अपने आसपास के स्थानीय पोषण युक्त भोजन एवं भोज्य पदार्थों की ओर ध्यान दें। डॉ मिश्रा ने बिहार के स्थानीय पोषण सत्तू का उदाहरण रखते हुए बताया कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय व्यंजन का भरपूर उपयोग करना चाहिए। यदि हमें सही मात्रा में पोषण प्राप्त ना हो तो हमारी प्रतिरोधात्मक तंत्र अत्यंत प्रभावित होता है।

हम उचित एवं संतुलित आहार, व्यायाम स्वच्छता के माध्यम से अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढा सकते है। विटामिन बी2 ओमेगा 3 एवं स्रोत से अवगत कराते हुए डॉ. मिश्रा ने बताया कि पोहा से एनीमिया जैसे रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। पोहे में उपयोग होने वाली कड़ी पत्ता बी12 से भरपूर है एवं पोहे में उपयोग किया जाने वाला नींबू विटामिन सी का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है

मुख्य वक्ता डॉ. डेज़ी शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि पानी, पोषण, व्यायाम एवं भरपूर नींद से मजबूत प्रतिरोध क्षमता तंत्र को प्राप्त कर सकते हैं। डॉ.शर्मा ने गर्भवती महिलाओं एवं गर्भस्थ शिशु के प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करने वाले पूरक आहार की जानकारी साझा कर छात्राओं का मार्गदर्शन किया ।

सुश्री नैना खत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड–19 के समय हम अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं ।स्वच्छता एवं पोषण के प्रति हम जागरूक हो गए हैं हम गिलोय जैसी औषधि गुणों से परिपूर्ण चीजों का उपयोग करने लगे हैं। इस वेबीनार में लगभग 500 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया एवं 200 से अधिक शोधार्थी, विद्यार्थी सम्मिलित हुए जिन्हे महाविद्यालय द्वारा ई प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री सौम्या चौहान ने एवं आभार डॉ. रीना मालवीय ने किया इस अवसर

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में इम्यूनिटी बूस्टिंग पुस्तिका का किया विमोचन

युत्र प्रदेश, नर्मदापुरम।

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 29 सितंबर को मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के सौजन्य से वित्त पोषित एवं क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं डाइटेटिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय बेबीनार में मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक भोपाल नर्मदापुरम संभाग डॉ. संजय जैन ,मुख्य वक्ता डॉ. संजय कुमार मिश्रा विभागाध्यक्ष आहार एवं पोषण विभाग एम. एम.आर.आई अस्पताल पटना बिहार, विषय विशेष डॉ. डेज़ी शर्मा सहायक प्राध्यापक डाउन टाउन विश्वविद्यालय, विषय वक्ता नैना खत्री भूतपूर्व छात्र सीएनडी विभाग न्यूट्रीनिस्ट दिल्ली, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर समन्वयक सीएनडी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात् राष्ट्रीय वेबीनार का शुभारंभ किया गया कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड काल में महाविद्यालय द्वारा आइसोलेट 1200 से 1500 लोगों की काउंसलिंग की गई।

पर श्रीमती नीता सोलंकी, डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती आभा बाधवा, श्री देवेन्द्र सैनी, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्रीमती अंकिता श्रीवास्तव, श्री मनोज सिसोदिया ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय स्टाफ, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।